CUTS International

PRESS RELEASE

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders

जिला स्तरीय किसान आमुखीकरण कार्यक्रम

जयपुर, 27 जून, 2014।

''आज के दौर में आधुनिक कृषि से मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, इसके लिए जैविक खेती अति आवश्यक है।'' उक्त विचार प्रमुख उपभोक्ता संस्था 'कट्स' द्वारा जयपुर में आयोजित जिला स्तरीय कृषक आमुखीकरण के दौरान प्रायः सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों में दिये गये उद्बोधनों के प्रमुख बिंदु के रूप में सामने आये। सभी विषय विशेषज्ञों की आम राय यह थी कि आधुनिक कृषि में उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक खाद और कीटनाशक का उपयोग अत्यधिक किया जा रहा है, इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि खाद्य पदार्थ भी जहरीले हो रहे हैं। आज हमें सतत् कृषि की ओर बढ़ना होगा, जिसमें हम प्राकृतिक स्त्रोतों को उपयोग में ले सकें। हमारा देश कृषि प्रधान है, और समय आ गया है कि जैविक खेती का प्रचार–प्रसार और इसके प्रति जागरूकता को बढ़ाना चाहिए।

वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक दीपक सक्सेना के स्वागत उद्बोधन के पश्चात् अमरजीत सिंह, परियोजना समन्वयक ने परियोजना का प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि यह परियोजना राजस्थान के चयनित छह जिलों, जयपुर, दौसा, कोटा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ व उदयपुर में कुल 102 ग्राम पंचायतों में चलाई जा रही है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जैविक पदार्थो के उपभोग को बढ़ावा देना है। इसके लिए दो वर्षों के दौरान शोध, प्रशिक्षण, पैरवी व जन जागरण अभियान सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियां का भी संचालन किया जा रहा है।

तकनीकी सत्रों में जैविक खेती की जरूरत व महत्व पर डॉ. ए.के. गुप्ता, प्रोफेसर, एग्रोनोमी विभाग, दुर्गापुरा कृषि फार्म; जैविक खेती की व्यवसायिक संभावनाओं पर मोरारका फाउण्डेशन के समन्वयक श्री आनन्द शुक्ला; उर्वरक और मृदा प्रबन्धन पर सोम सोसायटी के सचिव श्री हरीमोहन गुप्ता व कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एस.एस. राठौड़; कीट प्रबन्धन पर जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. श्रीराम शर्मा तथा जैविक खेती के प्रमाणीकरण व इससे सम्बन्धित किसानों की आम समस्याओं पर दुर्गापुरा कृषि फार्म के उद्यानिक विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. एस. मुखर्जी ने संभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उपरोक्त सभी सम्बोधनों में जो प्रमुख बात निकलकर आई वो जैविक खेती को एक सुव्यवस्था के तहत करने से सम्बन्धित है जिससे कि सतत् कृषि को बढ़ावा मिल सकें। इसमें मिट्टी की शक्ति व पोषक तत्व होंगे तो जैविक खेती से उत्पादन बढ़ेगा।

कार्यशाला में जयपुर जिले की सभी 13 पंचायत समितियों के करीब 51 किसानों, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं, तथा जयपुर शहर के जैविक खेती पर काम करने वालें विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दूसरे सभी संभागियों को दुर्गापुरा कृषि फार्म व गौसेवा संघ, दुर्गापुरा गौशाला का भ्रमण करवाकर उनको प्रायोगिक व व्यवहारिक जानकारी दिलाई गई जिसमें जैविक खेती से जुड़ी विभिन्न कृषि प्रणालियों, उपचार तथा गोबर व गो मूत्र का विभिन्न तरीकों से सदुपयोग सम्मिलित हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

दीपक सक्सेना (93513 66827)/अमरजीत सिंह (98290 15812)

'कट्स' सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग

डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302 016, भारत

दूरभाषः 91–.5133259, 2282821/2282482 फैक्सः 91–141–4015395

ईमेलः ajs@cuts.org ; ds@cuts.org

वेबसाइटः http:/www.cuts-international.org